ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-६०
दिनांक- मंगलवार, १६ अगस्त, २०२२

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 33.2 एवं 24.9 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 87 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 71 प्रतिशत, हवा की औसत गति 10.9 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 4.1 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 10.0 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 30.1 एवं दोपहर में 34.7 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 5.0 मि0मी0 वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(17–21 अगस्त, 2022)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 17–21 अगस्त, 2022 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में आसमान में हल्के से मध्यम बादल छाये रह सकते हैं। अगले दो–तीन दिनों तक उत्तर बिहार के जिलों में आमतौर पर मौसम शुष्क रहने की सम्भावना है। इसके बाद अर्थात १६ अगस्त के बाद थोड़ी वर्षा में सक्रियता आ सकती है जिसके कारण २०–२१ अगस्त को उत्तर बिहार के जिलों के अनेक स्थानों पर वर्षा होने की सम्भावना है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 33–35 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 25–27 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- पूर्वानुमानित अवधि में अगले तीन–चार दिनों तक पछिया हवा तथा उसके बाद पूरवा हवा चलने का अनुमान है। औसतन 10–15 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 70 से 80 प्रतिशत तथा दोपहर में 45 से 55 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- धान की फसल जो 20–25 दिन की हो गई हो, उसमें प्रति हेक्टेयर 30 किलोग्राम नेत्रजन का उपरिवेषन करें। अगात बोई गई धान की फसल में तना छेदक कीट की निगरानी करें।
- सितम्बर अरहर की बुआई के लिए खेत की तैयारी करे। किसान भाई 25 अगस्त के बाद इसकी बुआई कर सकते हैं। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 20 किलोग्राम नेत्रजन, 45 किलोग्राम स्फुर,20 किलोग्राम पोटाष तथा 20 किलोग्राम सल्फर का व्यवहार करें। अरहर की पूसा–9 तथा शरद प्रभेद उत्तर बिहार के लिए अनुसंषित है। बुआई के 24 घंटे पूर्व 2.5 ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करे। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए।
- मक्का की खड़ी फसल में तना छेदक कीट की निगरानी करें। यह कीट फसल को काफी नुकसान करता है। इस कीट की सूंडियाँ पहले कोमल पत्तियों को खाती है तथा मध्य कलिका की पत्तियों के बीच घुसकर उन्ही से होते हुए तने में पहुच जाती है एवं तने के गूददे को खाती हुई जड़ की तरफ बढ़ती हुई सुरंग बनाती है। फलतः मध्य कलिका मुरझाकर सुखी हुई नजर आती है एवं इसे अगर पकड़कर खींचा जाए तो वह आसानी से बाहर निकल आती है। इस प्रकार का लक्षण दिखने पर कार्बोफ्यूरान (3 जी) का 7 किलोग्राम/हे0 की दर से पौधें के गाभा में डालें।
- उचॉस जमीन में फूलगोभी की अगात किस्में कुँआरी, पटना अर्ली, पूसा कतकी, हाजीपुर अगात, पूसा दिपाली की रोपाई समाप्त करें। बोरान तथा मॉलिब्डेनम तत्व की कमी वाले खेत में 10–15 किलो ग्राम बोरेक्स तथा 1–2 किलोग्राम अमोनियम मालिब्डेट का व्यवहार खेत की तैयारी के समय करे। फुलगोभी की मध्यकालीन किस्में अगहनी, पूसी, पटना मेन, पूसा सिन्थेटिक–1, पूसा शुभ्रा, पूसा शरद, पूसा मेघना, काषी कुवॉरी एवं अर्ली स्नोबॉल किस्मों की बुआई नर्सरी मे उथली क्यारियों मे पंक्तियों में गिराये। पौधशाला को तेज धूप से बचाने के लिए 40 प्रतिशत छायादार नेट से 6–7 फीट की ऊचाई पर ढ़कने की व्यवस्था करें।
- खरीफ प्याज की रोपाई के लिए खेतो को समतल कर छोटी–छोटी उथली क्यारियाँ बनावें, जिसकी चौड़ाई 2 मीटर एवं लम्बाई 3 से 5 मीटर तक रख सकते हैं। प्रत्येक दो क्यारियो के बीच जल निकास हेतु नालियाँ अवष्य बनावें। पॉक्ति से पॉक्ति की दूरी 15 से0मी0, पौध से पौध की दूरी 10 से0मी0 पर रोपाई करें।
- उचॉस जमीन में परवल की राजेन्द्र परवल–1, राजेन्द्र परवल–2, एफ0पी0–1, एफ0पी0–3, स्वर्ण रेखा, स्वर्ण अलौकिक, आई0आई0भी0आर0–1 आदि किस्मों की रोपनी करें। बीज दर 2500 गुच्छियाँ प्रति हेक्टेयर तथा लगाने की दुरी 2X2 मीटर रखें। परवल की रोपाई के लिए प्रति गड्ढ़ा कम्पोस्ट 3 से 5 किलो ग्राम, नीम या अंडी की खल्ली 250 ग्राम, एस0एस0पी0 100 ग्राम, म्यूरेट ऑफ पोटाष 25 ग्राम एवं थिमेट 10 से 15 ग्राम का व्यवहार करें। फूलगोभी की मध्यकालीन किस्में अगहनी, पूसी, पटना मेन, पूसा सिन्थेटिक–1, पूसा शुभ्रा, पूसा शरद, पूसा मेघना, काषी कुवॉरी एवं अर्ली स्नोबॉल किस्मों की बुआई नर्सरी में करें। अगात रोपी गयी फुल गोभी में पत्ती खाने वाली कीट (डायमंड बैक मॉथ) की निगराणी करे एवं प्रकोप दिखाई देने पर वचाव हेतु स्पेनोसेड दवा एक मी0ली0 प्रति 4 लीटर पानी में घोलकर आसमान साफ रहने पर छिड़काव करें।
- पपीता की नर्सरी उथली क्यारियों (10–15 सेन्टी मीटर ऊँची) में बोयें। इसके लिए उन्नत प्रभेद पूसा ड्वार्फ, पूसा नन्हा, पूसा डीलीसीयस, सी0ओ0– 07, सुर्या एवं रेड लेडी है। बीजदर 300–350 ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बीज को वैविस्टन 2 ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से उपचारित कर क्यारियों में 07–10 सेन्टीमीटर की दूरी पर बोयें।
- हल्दी, अदरक, ओल और बरसाती सब्जियों में आवष्यकतानुसार निकाई–गुड़ाई करें। इन फसलों में कीट–व्याधि का निरीक्षण करते रहें।
- मिर्च की रोपनी करें। रोपाई पूर्व जीवाणु खाद से विचड़ों का उपचार अवष्य करें। चारा की फसलों में नेत्रजन का उपरिवेषन करें।

आज का अधिकतम तापमानः 32.3 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.4 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 24.3 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.5 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी